ई-बुक – गाँव आधारित मिनी दाल मिल उद्यम

गाँव से ही दाल की प्रोसेसिंग और कमाई का नया रास्ता

क्यों दाल मिल?

गाँव में किसान मूंग, मसूर, अरहर, उड़द, चना जैसी दालें पैदा करते हैं। लेकिन इनका मूल्य तब बढ़ता है, जब ये साफ-सुथरी, छिलके उतरी और पैक होकर बाज़ार में जाती हैं।

आज भी ज़्यादातर किसान यह काम शहरों में करवाते हैं, जिससे:

- समय और पैसा दोनों खर्च होता है
- दाल का भाव किसान को कम मिलता है
- गाँव के युवाओं के पास रोज़गार का मौका नहीं रहता

मिनी दाल मिल गाँव में लगाने से किसान को अपने घर के पास ही प्रसंस्करण सुविधा मिलेगी, और उद्यमी को स्थिर आय।

⚙ मिनी दाल मिल की तकनीकी जानकारी

विवरण	**आँकड़े**
क्षमता	350 किलो/घंटा
लोड	5 HP
RPM	1440
मूल्य	₹ 2,30,000 (लगभग)
स्पेस आवश्यक	15×20 फीट का शेड
पावर सोर्स	बिजली या सौर ऊर्जा
ऑपरेटर	1-2 व्यक्ति

🔋 ऊर्जा प्रबंधन: बिजली या सोलर?

- यदि गाँव में बिजली की कमी है, तो इसे 7.5 किलोवाट सोलर सिस्टम से भी चलाया जा सकता है।
- 5 HP मोटर के लिए 3 फेज बिजली कनेक्शन आदर्श रहेगा।
- सौर सिस्टम से दिन के समय उत्पादन संभव होगा, और बैटरी बैकअप से शाम को भी काम हो सकता है।

🏭 दाल प्रोसेसिंग की प्रक्रिया

- कच्ची दाल की सफाई – धूल, मिट्टी, पत्थर निकालना
- छिलका हटाना – मशीन में दाल के छिलके उतारे जाते हैं
- पॉलिशिंग – दाल को चमकदार बनाने के लिए
- ग्रेडिंग – आकार के हिसाब से दाल की छंटाई
- पैकिंग – 1, 5, 10 किलो के पैक

📦 कच्चा माल और उत्पाद

कच्चा माल	अंतिम उत्पाद	सह-उत्पाद
मूंग, मसूर, उड़द, चना, अरहर	साफ और पॉलिश की हुई दाल	छिलका (पशु चारा के रूप में)

💰 लागत का अनुमान

मद	अनुमानित लागत (₹)
मिनी दाल मिल मशीन	2,30,000
इंस्टालेशन व ट्रांसपोर्ट	20,000
शेड / बिल्डिंग	1,50,000
सोलर सिस्टम (वैकल्पिक)	3,50,000 – 4,00,000
टूल्स व पैकिंग मशीन	50,000
वर्किंग कैपिटल (कच्चा माल आदि)	1,00,000
कुल लागत (बिजली से)	₹ 4.5 – ₹ 5 लाख
कुल लागत (सौर से)	₹ 8 – ₹ 9 लाख

📈 **आय और मुनाफा (सेवा आधारित मॉडल) :** यदि किसान अपने कच्चे दाल के साथ आए और आप उससे मशीन चार्ज लें:

- औसत चार्ज: ₹ 2 प्रति किलो
- 350 किलो/घंटा × 6 घंटे = 2100 किलो/दिन
- प्रतिदिन आय = ₹ 4,200
- मासिक आय (25 दिन) = ₹ 1,05,000
- खर्च (स्टाफ, बिजली/मेंटेनेंस) = ₹ 40,000
- मासिक मुनाफा = ₹ 65,000

📜 आवश्यक लाइसेंस

Udyam रजिस्ट्रेशन (MSME)

FSSAI लाइसेंस (खाद्य प्रसंस्करण)

📢 मार्केटिंग और बिक्री

- स्थानीय मंडी और थोक व्यापारियों से संपर्क
- पैक्ड ब्रांड बनाकर किराना दुकानों को सप्लाई
- FPO और SHG समूहों को सर्विस देना
- सोशल मीडिया पर "गाँव में बनी शुद्ध दाल" प्रमोट करना

💡 **सरकारी सहायता**

- PMFME योजना – 35% तक सब्सिडी
- AIF (Agri Infra Fund) – 6% ब्याज सब्सिडी
- राज्य स्तर की खाद्य प्रसंस्करण योजनाएँ

📍 **उद्यम शुरू करने के स्टेप्स**

1. स्थान चयन – गाँव के अंदर या नज़दीकी सड़क किनारे
2. मशीन खरीद – प्रमाणित निर्माता से
3. बिजली/सौर कनेक्शन तैयार करना
4. लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन
5. कच्चा माल खरीद या किसानों से सर्विस कांट्रेक्ट
6. पैकिंग व ब्रांडिंग
7. प्रचार और बिक्री